डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ० प्र०)

पाठ्यक्रम - हिन्दी साहित्य

बी० ए० भाग- ३

(सत्र 2019-20 की परीक्षा से और उसके आगे)

व्याख्या : ३×१० = ३० अंक, लघु उत्तरीय प्रश्न ४×८ = ४० अंक — पूर्णांक - १००

दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न २×१५ = ३० अंक

प्रथम प्रश्नपत्र : समकालीन हिन्दी एवं अवधी काव्य

निर्धारित कवि एवं उनके काव्यांश :

१- भवानी प्रसाद मिश्र - गीत फरोश, भागवान, बुनी हुई रस्सी, कितनी मुश्किल कर दी, गाँव

२- रघुवीर सहाय - सीढ़ियों पर धूप में, दो अर्थ का भय, नेता क्षमा करें, अधिनायक, दुनियाँ।

३- केदारनाथ सिंह - अनागत, माझी का पुल, बादलो!, पानी में घिरे हुए लोग, धानों का गीत।

४- राजेश जोशी - कितनी दूर जिम्मेदारियाँ, बच्चे काम पर जा रहे हैं, बिजली सुधारने वाले, मारे जायेंगे, एक आदिवासी - लड़की की इच्छा।

५- लीलाधर जगूड़ी - पेड़, आषाढ़, लड़ाई, एक खबर, चिड़िया का प्रसव।

६- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - आरा मशीन, पुस्तकें, अचानक नहीं गई माँ, माँ नहीं थी वह, मनुष्यता का दुःख।

७- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' - चकल्लस, सुखी डारि, बिटउनी, हमार राम, भले मानुष।

८- विलोचन शास्त्री - मैं-तुम, दीवारें दीवारें दीवारें दीवारें, अपराजेय, बादलों में लग गयी है आग दिन की, तुलसी बाबा,

पाठ्य पुस्तक : समकालीन हिन्दी कविता एवं अवधी काव्य

सम्पादक : (1) प्रो० चितरंजन मिश्र, हिन्दी विभाग, दी० द० उ० गोरखपुर विश्वि०
(2) डॉ० अनिल कुमार सिंह, हिन्दी विभाग, साकेत महा०, अयोध्या, फैजाबाद

द्रुत पाठ हेतु : मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, नागार्जुन तथा रमई काका। इन कवियों में से प्रत्येक पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

१. अवधी का विकास	:	डॉ० बाबूराम सक्सेना
२. परम्परा के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक अवधी काव्य	:	डॉ० श्यामसुन्दर 'मधुप'
३. अवधी-साहित्य का इतिहास	:	डॉ० त्रिलोकीनाथ दीक्षित
४. अवधी-ग्रन्थवली	:	डॉ० सम्पा० जगदीश पीयूष
५. अवध-अवधी विविध आयाम	:	डॉ० रामशंकर त्रिपाठी
६. अवधी-कविता के हीरक हस्ताक्षर	:	डॉ० रामशंकर त्रिपाठी
७. प्रतापगढ़ का साहित्यिक अवदान	:	डॉ० पूर्णिमा मिश्रा, डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा एवं डॉ० दीपक त्रिपाठी
८. आद्याप्रसाद 'उन्मत्त' : अवधी के शिरोरत्न	:	डॉ० नलिनकान्त उपमन्यु
९. कथरी के गुनगायक : जुमई खाँ 'आजाद'	:	डॉ संतोशकुमार मिश्र
१०. अवधी भाषा एवं साहित्य	:	डॉ० राधिका प्रसाद त्रिपाठी
११. अवधी-साहित्य सर्वेक्षण एवं समीक्षा	:	सम्पा० जगदीश पीयूष
१२. अवधी भाषा एवं साहित्य का इतिहास	:	डॉ० ज्ञानशंकर पाण्डेय

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग-विवेचन

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :

(क) हिन्दी भाषा का इतिहास - ४० अंक
(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास - ४० अंक
(ग) काव्यांग विवेचन - २० अंक

नोट : लघुउत्तरीय प्रश्न पांच (४० अंक = (५X८)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न चार (६० अंक = (४X१५)

पाठ्य-विषय :

(क) हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : हिन्दी शब्द की उत्पत्ति, हिन्दी भाषा के विविध रूप- (१) बोलचाल की भाषा (२) रचनात्मक भाषा (३) राजभाषा (४) राष्ट्रभाषा (५) सम्पर्क भाषा, (६) संचार भाषा। हिन्दी शब्द-समूह और उसके मूल स्रोत-तत्सम, तद्भव देशज, आगत शब्दावली। देवनागरी-लिपि-नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ (वैज्ञानिकता), त्रुटियाँ (दोष) और सुधार के उपाय।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन तथा नामकरण, प्रमुख-युग तथा उनकी प्रवृत्तियाँ (विशेषताएँ), प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रतिनिधि रचनाएँ।

(ग) काव्यांग-विवेचन : काव्य का स्वरूप, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्यगुण, काव्यदोष, शब्द शक्तियाँ

पाठ्यपुस्तक : 'हिन्दी भाषा-साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग-निरूपण' :

सम्पादक : (१) डॉ० धर्मेन्द्रकुमार शुक्ल, हिन्दीविभाग, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी०जी० कालेज, बभनान, गोण्डा।
(२) डॉ० राधेश्याम सिंह, के०एन० आई० पी०जी० कालेज, सुलतानपुर।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

१. हिन्दी भाषा का विकास	:	प्रो० देवेन्द्रनाथ शर्मा
२. हिन्दी भाषा	:	डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया
३. अच्छी हिन्दी	:	रामचन्द वर्मा
४. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास	:	डॉ० सत्यनारायण त्रिपाठी
५. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	:	डॉ० राधिकाप्रसाद त्रिपाठी
६. भाषा-विज्ञान और मानक हिन्दी	:	डॉ० नरेश मिश्र
७. हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	रामचन्द्र शुक्ल
८. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	डॉ० नगेन्द्र
१०. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	:	डॉ० राम कुमार वर्मा
११. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास	:	डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
१२. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	:	डॉ० जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
१३. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
१४. हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	डॉ० ओंकार नाथ त्रिपाठी
१५. हिन्दी साहित्य का अतीत	:	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
१६. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	:	डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
१७. हिन्दी भाषा का विकास	:	डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
१८. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	:	डॉ० उदयनारायण तिवारी
१९. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास	:	डॉ० वासुदेव सिंह
२०. काव्यशास्त्र	:	डॉ० भगीरथ मिश्र
२१. काव्यशास्त्र	:	डॉ० कृष्णबल
२२. काव्य प्रकाशिका	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी

तृतीय प्रश्न पत्र : व्यावहारिक हिन्दी

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :

लघुउत्तरीय प्रश्न पांच (४० अंक = (५X८)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न चार (६० अंक = (४X१५)

पाठ्य-विषय :

(क) व्यावहारिक हिन्दी : रूप और स्वरूप/अभिप्राय और वर्गीकरण

(ख) कामकाजी हिन्दी :

पत्राचार : पत्राचार के प्रकार, कार्यालयी पत्र- सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, मांगपत्र, अधिसूचना, परिपत्र शासनादेश, कार्यालय अनुदेश, अनुस्मारक, निविदा सूचनाएँ। व्यावसायिक पत्र और व्यावहारिक पत्र। आवेदन पत्र के विविध प्रारूप। संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण।

पत्रकारिता : हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय। पत्रकारिता का स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य। समाचार-लेखन के स्रोत।

जनसंचार माध्यम : प्रेस, रेडियो, टी०वी० (टेलीविजन), फिल्म, वीडियो तथा इण्टरनेट का परिचय तथा जनसंचार में इनकी भूमिका।

(ग) हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण : कारक- (परसर्ग)-प्रयोग, हिन्दी में लिंग-निर्धारण के नियम, अशुद्धिशोधन-वर्तनी की अशुद्धियाँ, व्याकरण की अशुद्धियाँ, उपसर्ग तथा प्रत्यय। वाक्य संरचना और अशुद्धि शोधन।

पाठ्यपुस्तक : व्यावहारिक हिन्दी :

सम्पादक : (१) डॉ० (श्रीमती) प्रमिला बुधवार, हिन्दीविभाग महिला पी० जी० कालेज बहराइच

(२) डॉ० मधु खन्ना, हिन्दीविभाग राजामोहन गर्ल्स पी० जी० कालेज फैजाबाद

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

१. सामान्य हिन्दी (हिन्दी भाषा, व्याकरण, रचना एवं प्रयोग)	:	डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
२. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० रामकिशोर शर्मा
३. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० मुश्ताक अली
४. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० कैलाशनाथ पाण्डेय
५. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	विनोद गोदरे
६. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० सर्वेश पाण्डेय
७. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० बालेन्दुशेखर तिवारी
८. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० रामप्रकाश
६. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ० प्रेमचन्द पंतजलि
१०. व्यावहारिक हिन्दी	:	डॉ० रामप्रकाश
११. सामान्य हिन्दी : व्यावहारिक हिन्दी	:	डॉ० भोलानाथ तिवारी एवं डॉ० ओमप्रकाश
१२. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता	:	डॉ० अर्जुन तिवारी
१३. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप	:	डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया
१४. व्यावहारिक हिन्दी	:	डॉ० रामकिशोर शर्मा
१५. कार्यालयीय हिन्दी	:	डॉ० विजयपाल सिंह
१६. संचार क्रान्ति और हिन्दी-पत्रकारिता	:	डॉ० अशोककुमार शर्मा
१७. अनुवाद-कला	:	डॉ० भोलानाथ तिवारी
१८. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	:	डॉ० वासुदेवनन्दन
१६. हिन्दी शब्दानुशासन	:	किशोरीदास वाजपेयी
२०. हिन्दी व्याकरण	:	कामतानाथ गुरू
२१. शुद्ध हिन्दी	:	हरदेव बाहरी
२२. अच्छी हिन्दी	:	रामचन्द्र वर्मा
23 व्यावहारिक हिन्दी प्रयोग एवं विधि		डॉ. कान्ता कनकोशा